न्यूज डायरी

ब्रिटेन के खुफिया प्रमुख ने रूसी सेना पर किया बड़ा खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। यूक्रेन में चल रही भीषण जंग के बीच ब्रिटेन के खुफिया प्रमुख सर जर्मी फ्लेमिंग ने बड़ा दावा किया है। सर जर्मी फ्लेमिंग ने कहा कि रूस की सेना में भगदड़ मची हुई है और सैनिक अपने हथियारों को छोड़कर सैन्य कमांडरों के आदेश को नहीं मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की जंग में बड़े पैमाने पर रूसी सैनिक मारे गए हैं और यही वजह है कि पुतिन की सेना में अफरातफरी का माहौल है। यही नहीं रूसी सैनिकों ने हड़बड़ी में अपने ही विमान को मार गिराया है। ब्रिटिश खुफिया प्रमुख ने कहा कि पुतिन ने यूक्रेन पर फतह करने को लेकर भारी गलती की। हालत यह है कि रूसी के सैनिक हथियार छोड़कर भाग रहे हैं। इससे पहले एक वीडियो सामने आया था जिसमें रूसी सैनिकों की ओर से शिकायत किया जा रहा था कि उनकी पुरानी राइफलें काम नहीं कर रही हैं।

इमरान खान को पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने चेताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के बाद अपनी कुर्सी को बचाने के लिए शह और मात का खेल खेल रहे पीएम इमरान खान की बुधवार को सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और आईएसआई चीफ ने बोलती बंद कर दी। दरअसल, इमरान अपने ही राजदूत का एक चेतावनी पत्र सार्वजनिक करके यह दिखाना चाहते थे कि उनकी सरकार को गिराने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है। जनरल बाजवा को जब यह पता चला तो वह तुरंत इमरान खान के घर पहुंचे और उन्हें आगाह किया कि पाकिस्तानी पीएम ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट में फंस जाएंगे और जेल हो सकती है। इसके बाद इमरान ने देश को संबोधित करने का फैसला अचानक से रद कर दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जनरल बाजवा ने इमरान खान को बताया कि इस कथित पत्र को सार्वजनिक करने से उस देश से संबंध और ज्यादा खराब हो सकते हैं। ऐसे में पाकिस्तानी पीएम इसे सार्वजनिक करने से परहेज करें।

जेलेंस्की ने जार्जिया व मोरक्को से अपने राजदूतों को बुलाया वापस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने जार्जिया व मोरक्को से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। जेलेंस्की का कहना है कि इन देशों ने यूक्रेन के समर्थन के लिए कुछ नहीं किया और न ही रूस के खिलाफ किसी तरह का फैसला लिया। बुधवार रात को जारी किए गए अपने वीडियो संदेश में जेलेंस्की ने कहा, यदि वहां हथियार नहीं होगा, प्रतिबंध नहीं होंगे, रूसी व्यापारों पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई जाएगी तब प्लीज कोई और काम देखें। उन्होंने आगे कहा, साउथ ईस्ट एशिया, मिड्ल ईस्ट अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में हमारे प्रतिनिधियों के काम से मिलने वाले ठोस नतीजों का इंतजार कर रहा हूं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि विदेशी दूतावासों में नियुक्त यूक्रेन की मिलिट्री से भी उन्हें जवाब का इंतजार है।

वार्ता के बीच पुतिन ने दी यूक्रेन को खत्म करने की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस यूक्रेन के बीच शांति वार्ता के पांच दौर बेनतीजा रहे। हर शांति वार्ता के बाद रूस यूक्रेन पर हमले तेज कर देता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर परमाणु हमले की भी चेतावनी दे चुके हैं। एक तरफ शांति वार्ता का दौर चल रहा है, दूसरी ओर राष्ट्रपति पुतिन परमाणु हमले की बात कर रहे हैं। वह कसम खा रहे हैं कि वह यूक्रेन को समाप्त कर देंगे। आखिर रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन से क्या चाहते हैं। दोनों देशों के बीच जंग समाप्त करने में क्या है बड़ा रोड़ा। रूस के लिए इस जंग का मकसद क्या है। प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि वह इस समस्या के समाधान के लिए कूटनीतिक रास्ता नहीं छोड़े हैं, लेकिन शर्तों के साथ। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता तभी सफल होगी, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पूरी तरह से समर्पण करेंगे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अमेरिका ने दिया झटका

कहा- पाकिस्तान के अविश्वास प्रस्ताव से कोई संबंध नहीं

खारिज

इमरान ने कहा था कि विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव उनकी सरकार को गिराने की साजिश का एक हिस्सा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में किसी भी तरह की संलिप्तता को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी संलिप्तता के आरोप निराधार हैं। अमेरिकी सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की क्योंकि खान ने रविवार को एक पत्र को यह कहते हुए दिखाया कि इसमें उनके खिलाफ रची गई एक विदेशी साजिश का सबूत है और विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव भी उनकी सरकार को गिराने की इस विदेशी साजिश का एक हिस्सा है।

धमकी भरे पत्र को भी वरिष्ठ पत्रकारों के साथ साझा किया गया। पत्र के संबंध में जियो न्यूज द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में, अमेरिकी विदेश विभाग ने खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में किसी भी तरह की संलिप्तता को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। विदेश विभाग ने कहा, 'अविश्वास प्रस्ताव में अमेरिका के शामिल होने और पीएम इमरान खान को धमकी पत्र देने के आरोप निराधार हैं।'

विदेश नीति को प्रभावित करने की साजिश रची जा रहीः हालांकि, अमेरिकी सरकार पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति की निगरानी कर रही है और पाकिस्तान में कानून के शासन का समर्थन करती है। खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के सवाल पर विदेश विभाग ने कहा कि वे पाकिस्तान में संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं। रविवार को प्रधानमंत्री ने इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में अपने इतिहास में अपनी 'सबसे बड़ी' रैली को संबोधित किया, जहां जनता के सामने एक पत्र दिखाया, जिसमें कहा गया था कि उनके पास लिखित सबूत हैं कि विदेश से पैसा दिया जा रहा है, जबकि हमारे कुछ लोगों का इस्तेमाल सरकार गिराने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा था कि महीनों से पाकिस्तान की विदेश नीति को बाहर से प्रभावित करने की साजिश रची जा रही है। भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा कि राजनयिकों को इस तरह की धमकी जारी करने वाले राज्य के अधिकारी पूरी तरह से अनसुने हैं। बासित ने कहा कि विदेश नीतियों के संवेदनशील मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिस मेमो का जिक्र कर रहे हैं, उसमें संभवतः अमेरिकी अधिकारियों और एक पाकिस्तानी राजनयिक के बीच हुई बैठक के बीच बातचीत हुई है।

इमरान खान को पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने दिया बड़ा ऑफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्ता को गंवाने के करीब पहुंच चुके प्रधानमंत्री इमरान खान की लाज बचाने के लिए सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने बड़ा ऑफर दिया है। जनरल बाजवा ने बुधवार को इमरान खान के साथ दो बार मुलाकात की और सहमत होने योग्य विकल्पों पर चर्चा की। साथ ही उन्हें राजनीतिक संकट का समाधान करने के लिए सरकार और विपक्षी दलों की लाज बचाने वाले समझौते का ऑफर दिया।

पाकिस्तान में अब आम चुनाव जल्दी कराया जा सकता है और उनके साथ 4 प्रांतों की विधानसभाओं के लिए भी मतदान हो सकता है।

रिपोर्ट में पीएम हाउस के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इस पर्दे के पीछे की बातचीत में अगले आम चुनाव को लेकर चर्चा की गई। सेना चाहती है कि ऐसा विकल्प दिया जाए जो इमरान और विपक्ष दोनों को ही स्वीकार हो। बाजवा, आईएसआई चीफ और इमरान के बीच हुई बातचीत में पाकिस्तानी पीएम के बचे हुए कार्यकाल के बारे में भी बातचीत हुई।

सूत्रों के मुताबिक इमरान खान की लाज बचाने वाले संभावित समझौते और देश में आम चुनाव तथा 4 प्रांतों में विधानसभा चुनाव का ऐलान नैशनल असेंबली में किया जाएगा।

रूस के सुखोई फाइटर जेट स्वीडन की हवाई सीमा में घुसे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) स्टॉकहोम। यूक्रेन में चल रही जंग के बीच रूस के दो महाविनाशक फाइटर जेट स्वीडन के हवाई क्षेत्र में घुस गए थे। ये रूसी विमान सुखोई–27 और सुखोई–24 परमाणु बम से लैस थे। बताया जा रहा है कि रूस के विमान जानबूझकर डराने के लिए स्वीडन की हवाई सीमा में घुसे थे। रूसी फाइटर जेट दो मार्च को कालिनग्राड एयर बेस से उड़े थे जो नाटो देशों से बिल्कुल सटा हुआ है। रूसी विमान स्वीडन के गोटलैंड द्वीप समूह की ओर जा रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक इस उड़ान के दौरान रूसी फाइटर जेट ने यह देखने की कोशिश की कि नाटो सदस्य और स्वीडन तथा फिनलैंड जैसे तटस्थ रहने वाले देश कितनी देर में प्रतिक्रिया देते हैं।

अब बुलेट ट्रेन से भी परमाणु बम दाग सकेगा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। लद्दाख से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक आंखें दिखा रहे चीन ने अब हाई स्पीड ट्रेन से परमाणु बम दागने की क्षमता हासिल कर ली है। चीन की कोशिश है कि हाई स्पीड ट्रेन पर अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल को तैनात कर दिया जाए। इससे यह ट्रेन देश के विशाल इलाके में घूमती रहेगी और दुश्मन को उसे ट्रैक करना और उसे नष्ट करना आसान नहीं होगा। चीन की हाई स्पीड ट्रेन 350 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है और उसमें 16 डिब्बे लगे होते हैं। इनमें से प्रत्येक का वजन 16 टन होता है।

चीन का हाई स्पीड रेल नेटवर्क 37 हजार किमी लंबा है। इससे रेल आधारित चीन के परमाणु बमों को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाया जा सकेगा। यही नहीं किसी हमले की सूरत में इनके बचे रहने का भी चांस होगा। चीन के रेल आधारित परमाणु बमों के शोध के प्रमुख यिन जिहोंग ने एशिया टाइम्ब्स से कहा कि आधुनिक मिसाइलें बोगी के अंदर फिर हो जाती हैं लेकिन जब ये दागी जाती हैं तो इतना थ्रस्ट पैदा होता है कि उनका वजन ट्रेन के अधिकतम लोड क्षमता से 2 से 4 गुना ज्यादा हो जाता है।

चीनी वैज्ञानिक यिन ने कहा कि मोडिफाइड ट्रेन जहां इन लॉन्च के दौरान टिक सकती हैं लेकिन फायरिंग के दौरान दबाव का असर ट्रैक और उसके आसपास के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पड़ेगा। इससे उनको भारी नुकसान पहुंच सकता है। एक आईसीबीएम मिसाइल से इतना ज्यादा ताकत निकलती है कि जो जमीन में 8 मीटर तक घुस सकती है। इससे पहले दिसंबर 2016 में चीन ने अपनी डीएफ–41 आईसीबीएम मिसाइल के रेल मोबाइल वर्जन का सफल परीक्षण किया था।

आखिर रूस जर्मनी और इटली से क्यों रूबल में चाहता था गैस का भुगतान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई को एक माह से अधिक हो गया है। इस दौरान जहां यूक्रेन को अब तक अरबों डालर का नुकसान हो चुका है वहीं दूसरी तरफ इसका खामियाजा रूस को भी भुगतना पड़ा है। रूस की ही बात करें तो पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की बदौलत रूस के व्यापार को जबरदस्त झटका लगा है। रूस ने पिछले दिनों ही जर्मनी से उसके द्वारा की जा रही गैस सप्लाई की रूबल में पेमेंट करने को कहा था। हालांकि, जर्मनी ने रूस की इस मांग को ठुकरा दिया था। अब दोनों पक्षों में इस पर रजामंदी हो गई है। एक समझौते के बाद अब जर्मनी और रूस इस बात पर राजी हो गए हैं कि गैस की कीमत का भुगतान पौंड या डालर में ही किया जाएगा। रूस का कहना था कि प्रतिबंधों के चलते वो इस भुगतान को रूबल में ही स्वीकार कर सकता है। किसी भी दूसरी मुद्रा में किए गए भुगतान को अपनी मुद्रा में बदलना रूस के लिए एक बड़ी समस्या हो सकती थी। 1 अप्रेल से इसमें दिक्कत आ सकती थी।